सांध्य दैनिक

4PM

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है। सफल होने का सबसे सरल तरीका है हमेशा एक और बार प्रयास करना।

-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 128 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 11 जून, 2024

दक्षिण अफ्रीका ने भारत का तोड़ा... 7 | एनडीए को लगेगा महाराष्ट्र से... 3 | जातीय जनगणना और आरक्षण... 2

एनडीए सरकार पर कामकाज संभालते ही चला 'सुप्रीम' चाबुक

नीट परीक्षा धांधली पर एनटीए से मांगा जवाब

» काउंसलिंग रोकने से इंकार, 8 जुलाई को होगी सुनवाई

» जस्टिस बोले- परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई, हमें जवाब चाहिए

» कांग्रेस समेत विपक्ष ने भी केंद्र सरकार को घेरा

» छात्रों ने लगाया है धांधली का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार को अभी काम करते एक दिन ही हुए है। सरकार के मंत्री अभी कामकाज संभालना शुरू भी नहीं कर पाए और मोदी सरकार पर सुप्रीम कोर्ट का चाबुक चल गया । शीर्ष अदालत ने नीट काउंसलिंग में धांधली पर सख्ती दिखाते हुए केंद्र से जवाब मांगा है। हालांकि नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने एनटीए से तुरंत जवाब देन को कहा है। उधर इसको लेकर विपक्ष ने भी मोदी की एनडीए सरकार पर सवालिया निशान लगाया है।

मामले को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल भी केंद्र सरकार को घेर रहे हैं। दरअसल यूजी 2024 की परीक्षा के रिजल्ट को लेकर जारी विवाद पर याचिकाकार्ता ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि पारदर्शिता नहीं बरती गई और गड़बड़ी हुई है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान परिणामों के आधार पर होने वाली काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि पूरे मामले में पारदर्शिता नहीं बरती गई और हम इसको लेकर जवाब चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से नोटिस जारी कर जवाब मांगते हैं और मामले की अगली सुनवाई जवाब आने के बाद 8 जुलाई को करेंगे। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में मांग की गई है कि नीट रिजल्ट को रद्द घोषित कर दोबारा परीक्षा हो। साथ ही 4 जून को आए परिणामों के आधार पर होने वाली काउंसलिंग को रोका जाए। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 4 जून को नीट यूजी-2024 परीक्षा के परिणाम जारी किए थे और इसमें 67 छात्र टॉपर हैं। इसको लेकर छात्रों ने आरोप लगाया है कि रिजल्ट में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी हुई है। छात्रों ने इसके अलावा कहा कि पहले नंबर के 7 छात्र तो हरियाणा के एक ही सेंटर से आते हैं।

एनटीए ने अनियमितता के आरोपों को नकारा

एनटीए ने अनियमितता के आरोप को नकराते हुए कहा है कि एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) पाठ्य पुस्तकों में बदलाव और परीक्षा केंद्र में समय जाया होने के लिए दिए गए ग्रेस नंबर अधिक अंक आने का कारण है। हाल ही में एनटीए ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने ग्रेस नंबर पाने वाले 1,500 से अधिक अभ्यर्थियों के परिणामों की समीक्षा के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है।

जस्टिस अमानुल्लाह और जस्टिस विक्रम नाथ सुन रहे मामला

नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत होती ही सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम मुद्दे पर सरकार को सुना दिया। परीक्षा में धांधली मामले पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने आज साफ-साफ कहा कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, इसलिए हमें जवाब चाहिए। जस्टिस अमानुल्लाह और जस्टिस विक्रम नाथ ने मामले की सुनवाई करते हुए एनटीए को इस मामले में नोटिस जारी किया है। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, इसलिए हमें जवाब चाहिए। जस्टिस नाथ ने कहा कि हम एनटीए को नोटिस जारी कर रहे हैं, इस बीच एनटीए की तरफ से जवाब दाखिल किया जाएगा। काउंसलिंग शुरू होने दीजिए। कोर्ट ने कहा कि हम काउंसलिंग नहीं रोक रहे हैं।

पहले भी आया था मामला पर दबाया गया : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस साल पहले पेपर लीक होने का समाचार आया, जिसे दबा दिया गया। अब मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के कई परीक्षार्थियों ने छात्रों के अंक बढ़ाए जाने के आरोप लगाए हैं।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही सरकार : मल्लिकार्जुन खरगे

इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में कहा था कि पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गई है। इसकी सीधी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर अनेकों अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फंसना, उनके भविष्य से खिलवाड़ है।

नए मंत्रियों ने संभाला पदभार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। नई सरकार में चार हाई- प्रोफ़ाइल मंत्रालय - गृह, रक्षा, वित्त और विदेश का प्रभार क्रमशः अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर को दिया गया हैं। विभागों का बंटवारा होते ही पीएम मोदी के मंत्रियों ने आज पदभार संभालने का काम शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार राजनाथ सिंह सुबह 10:30 बजे साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्री का कार्यभार संभाला। बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का कार्यभार संभाला लिया है। शिवराज सिंह चौहान को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय दिया गया है आज उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसी तरह सहयोगी दलों के मंत्रियों ने कामकाज शुरू कर दिया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया , केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने मंगलवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कामकाज संभाला लिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नए मंत्रिमंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का कार्यभार संभाला लिया है। जयंत चौधरी ने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्यभार संभाला लिया है। मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने, गिरिराज सिंह ने कपड़ा मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने सूचना एवं प्रसारण (आई एंड बी) मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला लिया है।

एकजुट विपक्ष केंद्र में सरकार की जवाबदेही तय करेगा : पायलट

बोले- मनमाने ढंग से शासन नहीं करने देंगे

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि एकजुट विपक्ष केंद्र में सरकार की जवाबदेही तय करेगा और उसे पिछले 10 वर्ष की तरह ''मनमाने ढंग से'' शासन नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है इसीलिए वह उस रवैये के साथ काम नहीं कर पाएगी जो पिछले 10 वर्षों में रहा। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने टोंक में कहा, लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है.. किसी एक दल को सरकार बनाने का जनादेश नहीं मिला है। अब मिली जुली सरकार है। भविष्य में देखते हैं क्या होता है? लेकिन मुझे लग रहा है कि जिस तरह का रवैया और शासन पिछले 10 साल में रहा वो शायद अब नहीं हो पायेगा।

जातीय जनगणना और आरक्षण बचाने के अभियान को और तेज करेगी कांग्रेस

» सामाजिक न्याय के मुद्दे को बराबर उठाने की भी कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सामाजिक न्याय के मुद्दे को निरंतर धार देगी। जातीय जनगणना और आरक्षण बचाने के अभियान को तेज किया जाएगा। लोकसभा चुनाव में जहां खामियां मिली हैं, उनसे सबक लेते हुए बूथवार नए सिरे से रणनीति बनाई जाएगी। इसे अमलीजामा पहनाने की कवायद रविवार से शुरू कर दी गई है। इस एजेंडे को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग और अल्पसंख्यक विभाग को सौंपी गई है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जातीय जनगणना और आरक्षण पर तथाकथित खतरे, रोजगार आदि के मुद्दे को पुख्ता तौर पर उठाया। पार्टी की ओर से निरंतर सामाजिक सद्भाव सम्मेलन और दलित संवाद कार्यक्रम चलाया गया। इसका परिणाम रहा कि लोकसभा में पार्टी को एक से बढ़कर छह सांसदों का तोहफा मिला। दो दिन पहले पार्टी के राजनीतिक मामलों की बैठक में संविधान की रक्षा के संघर्ष का संकल्प दोहराया गया। जातीय जनगणना और ओबीसी जातियों की भागीदारी आबादी के अनुपात में करने, किसानों की सब्सिडी बहाल करने आदि मुद्दे शामिल थे। यहां पारित प्रस्ताव को केंद्रीय कमेटी को भी भेजा गया है। साथ ही यह भी तय किया गया कि पार्टी इन मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी। इसकी जिम्मेदारी पिछड़ा वर्ग विभाग और अल्पसंख्यक विभाग को सौंपी गई।

अल्पसंख्यकों ने इस चुनाव में अपने अधिकार का प्रयोग किया : शहनवाज

अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम का कहना है कि अल्पसंख्यकों ने इस चुनाव में किसी तरह की लड़ाई करने के बजाय अपने अधिकार का प्रयोग किया। एकजुट होकर वोट की ताकत से सांप्रदायिकता का जहर फैलाने वालों और समाज को बांटने वालों का मुकाबला किया। नतीजा सामने है। अब उनके हक की लड़ाई सड़क से सदन तक हो सकेगी। क्योंकि समाज से मोहब्बत करने वाले लोग सदन में पहुंचे हैं। यह कारवां निरंतर जारी रहेगी।

पिछड़ों की किसी भी कीमत पर अनदेखी नहीं कर सकते : मनोज

पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मनोज यादव का कहना है कि उत्तर प्रदेश में यह साबित हो गया है कि पिछड़ों की किसी भी कीमत पर अनदेखी नहीं हो सकती है। पिछड़े वर्ग के लोग जिस दल के साथ एकजुट होंगे, उसी को जनमत मिलना तय है। ऐसे में हम इनके साथ निरंतर जुड़े रहेंगे। पिछड़े वर्ग की समस्याएं गांव- गांव से जुटाई जाएंगी और उनके समाधान के लिए संघर्ष किया जाएगा। यह अभियान 2027 तक निरंतर चलता रहेगा।

भगवान राम ने भाजपा को सजा दी : किशोरी लाल

रायबरेली। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि भले ही भाजपा ने सरकार बना ली हो पर भाजपा की नैतिक हार हो चुकी है। वो अबकी बार 400 पार की बात करते थे लेकिन उससे काफी पीछे रह गए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने भाजपा के लोगों को सजा दी है। इन लोगों ने भगवान राम को चुनाव की वस्तु बना दिया था और अहंकार में राम को लाने की बात कहते थे। राम तो विश्व के कण-कण में हैं। भगवान राम थे, हैं और हमेशा रहेंगे। राम लाने वाली वस्तु नहीं हैं वो कण-कण में थे, हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम हमारे नेता राहुल गांधी के साथ मिलकर अपने क्षेत्र का विकास करते रहेंगे।भाजपा ने चुनाव से पहले अपने दम पर 370 और एनडीए के साथ 400 सीटें जीतने का दावा किया था पर ऐसा नहीं हो सका और केंद्र में भाजपा को सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों से मदद लेनी पड़ी।

बगैर किसी भेदभाव के हिमाचल को पूरा सहयोग दे केंद्र सरकार : प्रतिभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नव गठित एनडीए सरकार को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि वह बगैर किसी भेदभाव के प्रदेश की कांग्रेस सरकार को अपना पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र में चुनी गई कोई भी सरकार जनमत का एक बड़ा हिस्सा होती है और उसका पूरा सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का किसी भी स्तर पर हनन नही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी दो ऐसी समस्याएं हैं, जिनका जल्द समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री को देश व प्रदेश के लोगों के साथ किये सभी चुनावी वादों को भी पूरा करने की दिशा में जल्द कदम उठाने चाहिए। प्रतिभा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि प्रदेश की विकट आर्थिक स्थिति को देखते हुए प्रदेश को कोई विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाए। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपने सीमित संसाधनों से प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की है इसकी एवज में केंद्र सरकार को प्रदेश की कोई विशेष आर्थिक मदद देनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद अब आरोप प्रत्यारोप का दौर खत्म हो गया है इसलिए केंद्र सरकार को प्रदेश की खुले मन से मदद करनी चाहिए।

आनंद व जयप्रकाश की वापसी की मांग हुई तेज

बसपा में उठ रही आवाज, सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा हैशटैग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में बुरी तरह शिकस्त के बाद बसपा में आकाश आनंद की वापसी की मांग तेज होती जा रही है। बीते दो दिन के दौरान सोशल मीडिया पर आकाश की वापसी की मांग वाला हैशटैग टॉप ट्रेंड करता रहा। साथ ही, बसपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर जयप्रकाश सिंह की वापसी की भी मांग की जा रही है। जयप्रकाश को छह साल पहले बसपा सुप्रीमो ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि बसपा को दोबारा स्थापित करने के लिए आकाश और जयप्रकाश की वापसी जरूरी है।

बता दें कि आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाने के बाद अमेठी के दो बसपा नेताओं ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही लगातार पार्टी में आकाश की वापसी के लिए स्वर उठ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद आकाश के साथ जयप्रकाश की वापसी की भी मांग हो रही है।

दोनों को बसपा प्रमुख मायावती ने हटाया था

जयप्रकाश को बसपा सुप्रीमो मायावती ने छह साल पहले राहुल गांधी समेत कई नेताओं पर दिए गए विवादित बयान के बाद पार्टी से बाहर कर दिया था। उन पर पार्टी के नाम पर चंदा वसूलने का भी आरोप लगाया गया था। जयप्रकाश को मायावती के भाई आनंद कुमार का करीबी बताया जाता है। हालांकि निष्कासन के बाद भी वह लगातार बसपा का प्रचार करते रहे हैं।

उत्तराखंड के मंगलौर में बसपा के लिए विस सीट बचाना चुनौती

मंगलौर विधानसभा में अब तक हुए पांच विधानसभा चुनावों में चार बार जीत दर्ज कर चुकी बसपा के लिए इस सीट को बचाए रखने की चुनौती है। दिवंगत विधायक सरवत करीम अंसारी के बेटे उबेर्दुरहमान को बसपा सुप्रीमो मायावती ने चुनाव मैदान में उतारने पर सहमति दे दी, जबकि सामने कांग्रेस के पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन मैदान में उतर सकते हैं।

इस विधानसभा में अब तक पांच चुनाव हुए हैं, जिनमें से चार बार बसपा प्रत्याशी को जीत मिली है। 2002 के पहले चुनाव में 21,155 वोट के साथ बसपा के काजी निजामुद्दीन ने जीत दर्ज की और कांग्रेस के सरवत करीम यहां 14,561 वोट हासिल कर पाए। 2007 के चुनाव में बसपा से निजामुद्दीन फिर 25,559 मत हासिल करके विजेता रहे, जबकि रालोद के चौधरी कुलवीर सिंह 22,166 के साथ दूसरे और कांग्रेस के सरवत करीम 18,629 वोटों के साथ तीसरे पायदान पर रहे।

भाजपा का वोट प्रतिशत घटा : उमर

» पहली बार पीएम मोदी को चलानी पड़ रही गठबंधन सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा ऐसा पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गठबंधन सरकार चलानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा, वह (पीएम मोदी) तीसरी बार सरकार बना रहे हैं, लेकिन पहली बार वह गठबंधन सरकार चला रहे हैं। अभी तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान भी कभी गठबंधन नहीं करना पड़ा। इससे पहले जब वह 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे तब कोई गठबंधन नहीं था। यहां तक कि पिछली हुकूमत में साझेदारों को

बेइज्जत किया गया क्योंकि उनकी जरूरत नहीं थी। यह पहली बार है कि प्रधानमंत्री को गठबंधन सरकार चलानी पड़ रही है। उमर ने कहा, यह कोई बड़ी कामयाबी भाजपा की तो है नहीं। बिना साझेदारों के वो हुकूमत नहीं चला सकते। मैं इस बात से हैरान हूं कि जो पिछले 5 वर्षों की हुकूमत रही इसमें भाजपा ने वो सारा कुछ कर दिया जिसका वो वर्षों से वादा करते आए। चाहे वो अनुच्छेद 370 था या राम मंदिर, लेकिन इतना सब करने के बाद भी लोगों ने उनकी सीटें बढ़ाई नहीं कम कीं। जो 400 पार करने की बात कर रहे थे, वे 300 भी पार नहीं कर पाए।

मप्र सरकार कर्ज और क्राइम में नहीं कर पा रही कंट्रोल : पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जीतू पटवारी ने कहा है कि मध्य प्रदेश में सरकार कर्ज लेने की स्थिति में नियंत्रण नहीं कर पा रही और न ही क्राइम कंट्रोल में आ पा रहा है। करप्शन के मामले में भी बहुत ही खराब स्थिति है और कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदेश में तीन सी वाली सरकार चल रही है। यह तीन सी कर्ज, क्राइम और करप्शन के रूप में है।

डॉ. मोहन यादव की सरकार इसी में जुटी है। पटवारी ने साढ़े पांच करोड़ पौधे रोपे जाने की तैयारी को लेकर कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा सबका दायित्व है। पौधे करप्शन करने के लिए लगाएं तो यह गलत है। पिछली बार साढ़े छह करोड़ पौधे शिवराज सरकार ने अरबों रुपए कर्ज लेकर लगाए थे। आज एक भी पौधा नहीं है। पौधे अगर करप्शन करने के लिए लगाए जाने हैं तो यही कहूंगा कि ऐसे पौधे नहीं लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अल्टीमेटली यह सरकार दलालों की सरकार है।

एनडीए को लगेगा महाराष्ट्र से झटका!

विपक्ष बोला- आसान नहीं होगा मोदी को गठबंधन सरकार चलाना

» शपथ से पहले एनसीपी अजित गुट ने बनाया दबाव

» एकनाथ व उद्धव गुट शिवसेना के विधायकों में आपसी बातचीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए की मोदी सरकार को पहला व करारा झटका महाराष्ट्र से लग सकता है। इस तरह की चर्चा सियासी गलियारों में तेजी से चल रही है। इस तरह की बाते होने के पीछे कुछ खबरों को माना जा रहा है। पहली खबर चुनावों के परिणाम के बाद आई जब भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश कर दी ।

दूसरी खबर आई कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक उद्धव गुट के संपर्क में तो तीसरी खबर सबसे ज्यादा चौंकाने वाली थी। ये खबर मोदी सरकार से के शपथ से पहले आई जब एनसीपी अजित पवार गुट ने मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होने से इंकार कर दिया। दरअसल, बीजेपी ने एनसीपी को चूकि एक ही सीट मिली है तो उसे एक मंत्री पद का ऑफर किया पर वह मंत्रालय पूर्ण कैबिनेट न होकर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार का था। चूंकि एनसीपी की ओर से प्रफुल्ल पटेल का नाम मंत्री बनने में सबसे आगे था। परंतु पटेल ने यह कहकर पद को ठुकरा दिया कि वह कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं ऐसे उन्हे राज्य मंत्री बनाना उनका डिमोशन करना है इसलिए उन्होंने पद ठुकरा दिया। उधर इस पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने तंज कसते हुए कहा कि ये तो होना ही था। खैर चर्चा कुछ भी परंतु मराठा राज्य से उठी ये चिंगारी आने वाले समय में मोदी 3.0 की सरकार को भारी न पड़ जाए।

मुस्लिम वोटरों ने सजाया उद्धव ठाकरे के सिर पर ताज

शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने जिस पार्टी की नींव रखी थी, वह मुसलमानों के लिए अछूत थी। बाला साहेब के बयानों की वजह से महाराष्ट्र के मुसलमान उनकी पार्टी को अपना राजनीतिक दुश्मन समझते थे लेकिन, उद्धव ठाकरे के लिए मुसलमानों ने दिलों के दरवाजे खोल दिए, लोकसभा चुनाव के नतीजे इस बात की तस्दीक करते हैं कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना को मुस्लिम समाज के रूप में नया वोटर मिल गया है जो उनकी राजनीतिक नैया को पार लगाने में उपयोगी साबित हुआ। दरअसल, लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज ने उद्धव ठाकरे पर भरोसा जताया है. मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा क्षेत्र जैसे मानखुर्द, कुर्ला,

गोवंडी, अणुशक्ति नगर, मुंबा- देवी, चांदीवली, घाटकोपर पश्चिम, भायखला, मलाड- मलवानी जैसे इलाकों से आने वाले मतदाताओं ने उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाड़ी के पक्ष में एकतरफा वोट किया है. नतीजा ये निकला कि मुंबई में उद्धव के खाते में चार में से तीन सीटें आई है. वहीं, महाविकास आघाड़ी के खातें में 4 सीटे आई है। जहां आंकड़े इस बात की गवाही दे रहें हैं।

उद्धव वाली शिवसेना ने मुंबई दक्षिण सीट पर दिखाई ताकत

इस बार के लोकसभा चुनावों में बहुत ही खास बात नजर आ रही है। जहां उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना ने मुंबई दक्षिण सीट पर जीत दर्ज की है। इस सीट से अरविंद सावंत ने शिंदे गुट की शिवसेना की यामिनी जाधव को हराया है, इस लोकसभा सीट में 6 विधानसभा पड़ती है, जिनमें वर्ली में 6,4844 वोट पड़े है, वहीं, शिवड़ में 76,053, मालाबार हिल में 39,573 वोट मिले हैं. जबकि, मुम्बादेवी जो कि मुस्लिम बहुल विधानसभा है जिसमें 77,469 लोगों ने वोट किया है. वहीं, कोलाबा के 48,913 वोटर शामिल हैं. जिसमें अरविंद सावंत ने करीब 395655 वोट पाकर जीत दर्ज की। वहीं, शिंदे गुट उम्मीदवार यामिनी जाधव को वर्ली से 58,129, शिवड़ी से 59,190. जहां भायखला मुस्लिम बाहुल्य इलाका है वहां से 40,817 और मालाबार हिल से 87,860 वोट मिले. जबकि, मुम्बादेवी जो कि मुस्लिम बहुल विधानसभा है उसमें से यामिनी जाधव को 36,690 वोट मिले। इसके अलावा कोलाबा से 58,645 वोट मिले। ऐसे में यामिनी दूसरे स्थान पर रहीं. इसमें पोस्टल वोट काउंट नही हैं।

सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बिहार और आंध्र प्रदेश के बलबूते बनी है, 5 वर्षों में जनाधार सरकार का घटा है। उन्होंने कहा, तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का समर्थन नहीं मिलता तो बहुमत हासिल करने की शक्ति नहीं पाते। संसद में उनकी संख्या कम हुई है, संसद में उनका बहुमत कम हुआ है। बता दें कि बीजेपी को इस लोकसभा चुनाव में 2019 के मुकाबले 63 सीटों का नुकसान हुआ है। पार्टी को इसबार 240 सीटें मिली है. 2019 में बीजेपी ने 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। केंद्र में सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है। टीडीपी के पास 16 और जेडीयू के पास 12 सांसद हैं। पवार ने कहा, 5 वर्ष सरकार चलाई, उसमें देश का विचार नहीं किया गया। अपने मन मुताबिक चलाया. एक दो लोगों के हाथों में सत्ता थी, लेकिन अब सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ है। शरद पवार ने कहा, कि अब 3 महीने बाद विधानसभा के चुनाव आएंगे, अब एक ही लक्ष्य रखना है, महाराष्ट्र की सत्ता सामान्य लोगों के हाथ में रहे यह दिखाना है। बता दें कि एनसीपी आज अपना 25 वां स्थापना दिवस मना रही है। शरद पवार गुट के साथ अजित पवार गुट भी कार्यक्रम आयोजित कर रहा है.। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में अजित पवार गुट को झटका लगा है. उसे मात्र एक सीट से संतोष करना पड़ा। वहीं गठबंधन में शामिल बीजेपी और शिवसेना शिंदे गुट भी खास प्रदर्शन नहीं कर सकी, 48 सीटों में बीजेपी को 9, शिवसेना को सात और एनसीपी को एक सीट मिली। वहीं विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस को 13, शिवसेना यूबीटी को 9 और एनसीपी (एसपी) को 8 सीटें मिली है।

मुंबई साउथ सेंट्रल में भी एनडीए को झटका

इस बार मुंबई साउथ सेंट्रल लोकसभा सीट से शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के अनिल देसाई ने यहां से जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 3,95,138 वोट मिले हैं। जहां उनका मुकाबला शिंदे गुट के राहुल शेवाले से था। जिन्हें 3,41,754 वोट मिले हैं. इस दौरान अनिल देसाई को अणुशक्ति नगर मुस्लिम बाहुल्य सीट से 79,767 वोट मिले. जबकि, चेम्बूर से 61,355, धारावी के मुस्लिम बाहुल्य इलाके से 76,677, सायन से 70,931, वडाला से 49,114 और माहिम जो मुस्लिम बाहुल्य इलाका है वहां से 55,498 मिले थे. जबकि, शिंदे गुट के राहुल शेवाले को अणुशक्ति नगर से 50,684, चेम्बूर से 58,477, धारावी से 39,820, सायन- कोलीवाडा से 61,619, वडाला से 59,740 और माहिम से 69,488 वोट मिले.यूबीटी शिवसेना के संजय दीना पाटिल जीते।

असली शिवसेना मतलब उद्धव ठाकरे की शिवसेना : आनंद दुबे

वहीं, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र में बदलते राजनीतिक परिदृश्य के साथ ही मुंबई में मुस्लिम मतदाताओं के बीच उद्धव ठाकरे की साख बड़ी है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उद्धव अपनी बात अल्पसंख्यक समाज के लोगो तक पहुंचाने में सफल रहे यही कारण है कि मुंबई में हमें 4 मे से 3 सीटों पर जीत मिली है।

मुंबई नार्थ ईस्ट पर भी उद्धव का जलवा

वहीं, मुंबई नार्थ ईस्ट लोकसभा सीट से इस बार शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के संजय दीना पाटिल ने यहां से जीत दर्ज की है. उन्हें कुल 4,50,937 वोट मिले हैं. जहां उनकी फाइट बीजेपी के मिहिर चंद्रकांत कोटेचा से थी, जिन्हें 4,21,076 वोट मिले हैं. इस दौरान संजय दीना पाटिल को मुलुंड से 116421, विक्रोली से 52807, भांडुप से 75659, घाटकोपर वेस्ट से 63370, घाटकोपर ईस्ट से 83231 वोट मिले. जबकि, मानखुर्द- शिवाजी नगर जो कि मुस्लिम बाहुल्य इलाका है वहां से 28101 वोट मिले थे।

भाजपा ने हिंदुत्व को लेकर झूठा नरेटिव सेट किया : नसीम

जबकि, कांग्रेस नेता नसीम खान का कहना है कि चुनाव के दौरान उद्धव ठाकरे ने भी जनता के बीच अपनी बात को स्पष्ट रूप से रखा. जिस प्रकार से बीजेपी ने उनकी छवि को लेकर उनके हिंदुत्व को लेकर जूठा नरेटिव सेट करने का काम किया। उसका साफ और सटीक जवाब उद्धव ठाकरे ने बीजेपी को दिया है.।अपने हिंदुत्व को उद्धव ने आम लोगों के बीच परिभाषित किया। पूरे भारत मे मोदी जी को हराने के मकसद से मुस्लिम मतदाताओं ने टेटिकल वोटिंग की है। इसका असर मुंबई के लोकसभा चुनाव में भी देखने मिला है, जहां मुंबई की ज्यादातर सीटों पर शिवसेना (ब्रह्म) चुनाव ल? रही थी। इसीलिए उद्धव ठाकरे को मुस्लिम वोटों का फायदा हुआ है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण दक्षिण मुंबई की लोकसभा सीट है। जहां शिवसेना की उम्मीदवार यामिनी जाधव को उनके ही विधानसभा क्षेत्र जहां से वो विधायक है उसी विधानसभा क्षेत्र से सबसे कम वोट मिले है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

किसानों की उम्मीदे क्या होंगी पूरी

अब चूकि गठबंधन वाली नई सरकार आई है ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए के वह एमएसपी से लेकर फसल बीमा तक पर विचार करेगी और किसानों के हित में अच्छे फैसले लेगी। अभी सरकार के पिछले कार्यकाल में किसानों द्वारा बहुत बड़ा आंदोलन किया था जिससे कुछ कानूनों को तत्कालीन मोदी सरकार को वापस लेना पड़ा था।

पीएम मोदी ने कार्यभार संभालने के बाद पहला आदेश किसानों के लिए किया। उन्होंने किसानों की किसान निधि की 17वीं किस्त देने का आदेश दिया। हालांकि उनके इस फैसले पर विवाद भी हो गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम ने कोई उपकार नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बस पीआर की तरह हर योजना को शुरू करके उस पर हल्ला मचाना पीएम का पुराना काम है। खैर विवाद अपनी जगह है। पर इसमें कोई दो राय नहीं पिछले कई सालों से किसानों को बहुत सी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा। अब चूकि गठबंधन वाली नई सरकार आई है ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए के वह एमएसपी से लेकर फसल बीमा तक पर विचार करेगी और किसानों के हित में अच्छे फैसले लेगी। अभी सरकार के पिछले कार्यकाल में किसानों द्वारा बहुत बड़ा आंदोलन किया था जिससे कुछ कानूनों को तत्कालीन मोदी सरकार को वापस लेना पड़ा था। उस दौरान सोशल मीडिया भी प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ अभद्र शब्दावली, बदनामी और अपमान से भरा हुआ था। ऐसा लग रहा है मानो किसान अचानक विलेन बन गया हो।

किसानों के खिलाफ छिपी अवमानना अब खुलेआम है। इसका अधिकांश कारण गलत सूचना अभियान है जिसे मीडिया प्रचारित करता रहता है। अब नई मोदी सरकार से उम्मीद की जाएगी इसबार किसानों पर झूठी खबरें प्रसारित नहीं की जाएगी और उन्हे भी उचित सम्मान दिया जाएगा। गौरतलब हो कि एमएसपी को और अधिक प्रभावी बनाने के तरीके पर विचार करने के लिए समिति गठित किया गया है। उधर उस काल खंड में टीवी शो में एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग की प्रासंगिकता पर चर्चा कर करने पर वहा पर बैठे कुछ लोगों अशिष्टता की। इतना कि उन्होंने किसानों को 'राष्ट्र-विरोधी' कहना शुरू कर दिया। सबसे बड़ी बात यह समिति सराकर द्वारा बनाया गया था। यह जानते हुए भी कि उनकी स्थिति घोर किसान विरोधी है, ऐसे लोगों को एमएसपी समिति में क्यों नामांकित किया जाता है। ऐसी अहम समितियों की संरचना का निर्णय करते समय, नीति निर्माताओं को सावधानीपूर्वक उन सदस्यों को चुनना चाहिए जो अंतर्निहित पूर्वाग्रह नहीं रखते हैं। उधर चर्चा ये भी रही किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दे दिया जाए तो खाद्य मुद्रास्फीति 25 फीसदी बढ़ जाएगी। किसानों के लिए कानूनी एमएसपी पर 10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जिसे देश वहन नहीं कर सकता। अब चूकि नई सरकार आ गई है अब माना जाना चाहिए कि किसानों को न केवल एमएसपी पर लाभ होगा बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दोस्त करीब रहें तो दुश्मन और भी नजदीक

ज्योति मल्होत्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने के लिए दावा प्रस्तुत करने के बाद रविवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। यह करते हुए उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सहयोगियों चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे और चिराग पासवान ने पुनर्जीवित हुई एनडीए की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं पंजाब में सरबजीत सिंह खालसा, अमृतपाल सिंह ने तो जम्मू-कश्मीर में इंजीनियर राशिद 'लंगाते' ने अपनी सीट जीती है- इनमें दो आखिरी अभी भी जेल में बंद हैं, उन पर क्रमश: राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और यूएपीए की धाराएं लगी हैं। चुनावी खिचड़ी की देग से निकले इन तीन किंतु एक-दूसरे से अलग संदेशों पर, चुनाव उपरांत सोनिया गांधी को लेकर अफवाह भारी रही जब कहा गया कि उन्होंने सरकार बनाने में समर्थन मांगने की गर्ज से नायडू और नीतीश से बात की है। नई दिल्ली में यह बात चली हुई है कि यदि इन दोनों में, जो कोई साथ जुड़ना चाहेगा, उसे इंडिया गठबंधन सर्वोच्च पद देने को तैयार है।

पर ऐसा नहीं हुआ क्योंकि सीधी बात है इंडिया गठजोड़ के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं था, लिहाजा यह तय था कि मोदी ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। परंतु यदि प्रेस को पता है कि सोनिया ने उस व्यक्ति तक पहुंच की है जिसने उनके साथ बात करने के चंद घंटों बाद मोदी को कीमती कांजीवरम शॉल भेंट करके अपनी निष्ठा व्यक्त की है, तो जाहिर है यह 'रहस्य' खुफिया एजेंसियों को और उनकी मार्फत मोदी और शाह को भी जरूर मालूम होगा। यह जानकारी उनके कान खड़े रखेगी। 'दोस्तों को पास रखो और दुश्मनों को और भी नजदीक', चाणक्य और मैक्यावली की इस कूटनीतिक सूक्ति की तगड़ी खुराक तीसरी बार प्रधानमंत्री बने मोदी को अगले कुछ महीनों तक लेने की जरूरत है। नायडू से, विशेष तौर पर, उम्मीद है कि वे प्रधानमंत्री मोदी की ध्रुवीकरण करने की मुहिम को कुछ मद्धम कर पाएंगे- यहां सवाल यह है कि वे खुद और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से शिक्षित उनका बेटा नारा लोकेश (जिसका चुनावी अभियान में एक नारा रहा 'सरकार में अभिमान का कोई स्थान नहीं' और इस कथन ने राज्य में लोगों को बारिश की फुहारों से मिलती राहत का सा अहसास करवाया) क्या यह दोनों मोदी एवं शाह के हाथों में तमाम

शक्ति का केंद्रीकरण होना गवारा कर पाएंगे। नायडू और अन्य शायद जल्द ही जान जाएंगे कि शक्ति का प्रयोग, दोधारी तलवार की तरह दोनों तरफ काट करता है। उन्हें पहले ही स्पष्ट कर दिया गया है कि चार मुख्य मंत्रालय यानी रक्षा, विदेश, वित्त और गृह विभाग में कोई एक नहीं मिलने वाला- यहां तक कि लोकसभा अध्यक्ष पद भी नहीं। ऐसे में नायडू और नीतीश यदि अपने प्रिय सूबों आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए केंद्र सरकार द्वारा खुले हाथों से विशेष आर्थिक मदद किए जाने की चाहत रखते हैं तो इसकी एवज में मन मसोसने के सिवा और कोई चारा नहीं।

न तो प्रधानमंत्री और न ही उनकी पार्टी के बड़े नेता मीडिया पर कायम अपनी बढ़त खोना नहीं चाहेंगे, जबकि एक चैनल पर यह कहा गया कि इस बार भारत में हिंदुओं के बड़े भाग ने हिंदुत्व के नारे को विशेष महत्व नहीं दिया और इसकी वजह से भाजपा ने आम चुनाव में इतनी बड़ी संख्या में सीटें गंवाई हैं। सवाल है, क्या मोदी और नायडू क्रमश: अपना-अपना प्रभाव का दायरा बनाने के लिए चुपचाप राजी हो जाएंगे- जिसमें आंध्र प्रदेश में नायडू की तो बाकी देश (गैर भाजपा सूबों में) मोदी की चले - या क्या संवेदनशील मुद्दे, जैसे कि संविधान के समक्ष धार्मिक समानता (जिसका मूर्त रूप धार्मिक स्थल अधिनियम 1991 है), इन पर अपना बेबाक नजरिया व्यक्त करने की छूट नायडू को होगी या फिर इसके लिए उन्हें मोदी को खुद से हुए समझौते की याद दिलानी पड़ेगी? हमने देखा है कि किस प्रकार पिछले महीनों में, उत्तर प्रदेश सरकार ने ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में आनन-फानन में मूर्तियां स्थापित करने की इजाजत दी।

जब कभी प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में इस मामले पर फिर से साम्प्रदायिक तनाव गहराया और छाया रहा, तो क्या नायडू इसको देखकर आंखें मूंद लेंगे या नजरें फेरना चुनेंगे? कयास है, हमें शीघ्र ही इसका पता चल जाएगा। यदि नायडू मानते हैं कि सूबे का राजकाज संभालने के लिए अपने बेटे को तैयार करना उनकी पहली प्राथमिकता है, तब राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी अंतरात्मा को कष्ट देने को उनके पास अधिक वक्त नहीं होगा- वास्तव में, प्रधानमंत्री को बल्कि खुशी होगी यदि तेलुगू देशम पार्टी का मुखिया अपने सपनों के 'आंध्र गणतंत्र' की रचना करने में व्यस्त रहे और उसके पास भाजपा के घोषणापत्र में शेष बचे मामलों के वादे को अमलीजामा पहनाए जाने पर ध्यान देने लायक समय ही न बचे, मसलन, देशभर में समान नागरिक संहिता लागू करना।

तरक्की की दौड़ में पिछड़े वंचितों की हो फिक्र

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और शिक्षा के पिछड़ेपन पर तो स्वदेशी संस्था 'असर' में भी रिपोर्ट परेशान करने वाली है। दरअसल, डिजिटलीकरण व कृत्रिम मेधा में तरक्की के दावों के बीच भारतीय युवा वर्ग के शैक्षिक स्तर में गिरावट चिंता बढ़ाने वाली है।

सुरेश सेठ

भारत ने अपनी अभूतपूर्व तरक्की से पूरी दुनिया को चौंकाया है। रिजर्व बैंक ने विकास दर का अनुमान 7.6 प्रतिशत लगाया था और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 6.8 प्रतिशत। लेकिन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे इससे कहीं अधिक हैं। हालिया अंतर्राष्ट्रीय सर्वे बताता है कि भारतीयों को अपना भविष्य सुरक्षित होने का भरोसा है। लेकिन जब वैश्विक संस्थाएं कहती हैं कि देश में खरबपतियों की संख्या अत्यधिक बढ़ी है मगर गरीबों की हालत में कोई सुधार नहीं आया तो कई सवाल जन्म लेते हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और शिक्षा के पिछड़ेपन पर तो स्वदेशी संस्था 'असर' में भी रिपोर्ट परेशान करने वाली है। दरअसल, डिजिटलीकरण व कृत्रिम मेधा में तरक्की के दावों के बीच भारतीय युवा वर्ग के शैक्षिक स्तर में गिरावट चिंता बढ़ाने वाली है।

यही वजह है कि बेरोजगारों की संख्या में कमी नहीं आई। वे अनुकम्पा के बल पर जीते नजर आने लगे और जहां नौकरियां बढ़ी थीं, वहां तमाम तरह की विसंगतियां हैं। भारत में अनियमित रोजगार और करोड़ों लोगों का अनिश्चित जीवन बड़ी चुनौती है। विडंबना है कि देश तरक्की की दौड़ में मजदूर, किसान और कामगार नहीं भाग पा रहे। उन्हें महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से भी जूझना पड़ रहा है। आज भी बड़ी चुनौती बेरोजगारी और महंगाई ही है। तंत्र की विफलता के कारण देश का मूल्यवान श्रमबल पलायन करने के लिए विवश हो रहा है। अब जब देश में सत्ता की नई पारी शुरू होने जा रही है तो प्राथमिकता देनी होगी कि इकोनॉमिक मॉडल में वे परिवर्तन लाए जाएं जो आम आदमी के जीवन में भी बदलाव लाए। निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के साथ ही बेकारी, महंगाई, और भ्रष्टाचार को भी दूर करने का प्रयास करें। एक संतुलन बनाना पड़ेगा निजी क्षेत्र की तरक्की के साथ-साथ आम और कमजोर लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिये। हमारी जीएसटी का प्रयोग भी सफल रहा है और हमारी टैक्स क्लेक्शन 19 प्रतिशत तक बढ़ी है। यह लाभ आम आदमी से जुड़ी विकास योजनाओं में नजर आए।

निजी क्षेत्र की तरक्की के साथ कम्पनियों का रिकार्ड मुनाफा भी 14 प्रतिशत हो गया, जो पिछले सालों में 10 प्रतिशत था। देश में आठ प्रमुख सेक्टर हैं। इनमें से केवल मैन्युफैक्चरिंग और खनन क्षेत्र में ही यह असाधारण ग्रोथ देखने को मिल रही है। कृषि की विकास दर तो बहुत कम हो गई है। जहां 2022-23 में यह विकास दर 4.7 प्रतिशत थी, वहां 2023-24 में यह 1.4 प्रतिशत रह गई है। ट्रेड, होटल और परिवहन का विकास 2022-23 में 12 प्रतिशत तक हो गया था, अब 2023-24 में 6.4 प्रतिशत रह गया। कहने को ग्रामीण उपभोक्ता मांग बढ़ गई है लेकिन याद रखिए, यह साधारण दो एकड़ की खेती करने वाले आम किसान की नहीं, उस मध्यवर्गीय और धनी किसान की है, जिसे बढ़ती उत्पादकता और अंतर्राष्ट्रीय तनाव के कारण पैदा हुई अधिक कीमतों से लाभ हुआ। भारत में नया उभरता हुआ मध्यवर्ग तो अपनी जेब से बाहर जाकर भी खर्च कर रहा है।

भारत की मौद्रिक नीति में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रैपो रेट को बार-बार बढ़ाने की ओर जो कदम उठाए गए, उनके बावजूद मध्यवर्ग ने अपनी ऋण लेने की तत्परता कम नहीं की। महंगे फ्लैटों और महंगी गाड़ियों की मांग उभरकर सामने आ रही है। सरकार ने भी विकास दर बढ़ाने के लिए पूंजीगत निवेश 10 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया, जो उससे पिछले वर्ष से 37 प्रतिशत ज्यादा था। इसके द्वारा हमने देशभर में नई सड़कों और पेयजल हेतु बुनियादी सुविधाएं जुटाईं। इधर अधिक उत्पादकता के कारण चावल, गेहूं जैसे अनाज का बफर स्टॉक भी बढ़ा है। इसके साथ महंगाई को काबू रखने की कोशिश की गई। दो-तीन वर्ष में भारत के तीसरी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के दावे किये जा रहे हैं। दावे तो हैं कि देश दो दशक बाद एक विकसित राष्ट्र होगा। अगर हमारी जीडीपी विकास दर इसी तरह गतिमान रही तो शायद हम अपने विकास के लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

लेकिन इन आंकड़ों की महक से प्रफुल्लित होने के साथ-साथ हम यह भी याद रखें कि कृषि प्रधान देश भारत में कृषि अपेक्षित तरक्की नहीं कर पाई। भारत में पर्यटन की अकूत संभावनाओं के बावजूद हम पर्यटन विस्तार की कसौटियों पर पूरी तरह से खरे नहीं उतर पाए हैं। इसके साथ यह तरक्की आश्वस्त तो कर सकती है कि आरबीआई ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत ले आया, जो देश की आर्थिक संप्रभुता के लिये उत्साहवर्धक खबर है।? असल विकास तो तब होगा जब देश की सुप्त सम्पदा का भी उत्पादक और विकासशील उपयोग होना शुरू हो जाएगा। सोने पर जारी किए गए विकास बांड में धनकुबेरों से लेकर आम जनता का निवेश इस दिशा में बहुत बड़ा योगदान दे सकता है। देश का विकास समतामूलक व आर्थिक विषमता को दूर करने वाला होना चाहिए।

बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए खिलाएं ये आहार

जिस घर में भी बच्चे होते हैं वहां बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता लगी ही रहती है। कभी बच्चों के खान-पान को लेकर तो कभी कहीं बच्चे बीमार न हो जाए इसको लेकर घर के लोग बहुच चिंता करते हैं। आमतौर पर बच्चे जल्दी बीमार पड़ जाते हैं जिसके पीछे कमजोर इम्यूनिटी को एक कारण होता हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत किया जाए जिसके लिए आप उनके आहार में कुछ चीजों को शामिल कर सकते हैं। ऐसे में बच्चों को इन चीजों से फायदा हो सकता है। ये चीजें बच्चों को खिलाने से उनकी इम्यूनिटी मजबूत होने में मदद मिल सकती है।

दही

दही में गुड बैक्टीरिया के अलावा प्रोटीन, कैल्शियम, लैक्टोज, आयरन और फॉस्फोरस पाया जाता है और ये सभी चीजें इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करती हैं। ऐसे में अगर बच्चों को रोजाना दही का सेवन कराया जाए तो इससे उन्हें लाभ मिल सकता है। दही में पाए जाने वाले पोषक तत्व पेट को सही रखने और पाचनतंत्र को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। दही में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके वजन को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। दही विटामिन सी का अच्छा सोर्स है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद कर सकता है। कैल्शियम से भरपूर दही का रोजाना सेवन कर हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं। दही हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में मददगार है। दही में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में होने वाले इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं। अगर आपको भी बार-बार हो रहे हैं मुंह में छाले तो खाना शुरू कर दें एक कटोरी दही। दही के सेवन से मुंह के छाले को दूर कर सकते हैं।

अंडा

अगर आपका बच्चा अंडा खाता है तो आप उसे ये खिला सकते हैं क्योंकि इसमें पाए विटामिन, ओमेगा 3 और प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। बच्चों को अंडा खिलाकर आप उनकी इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं। क्योंकि अण्डों में उच्च मात्रा में फास्फोरस, विटामिन डी और कैल्शियम शामिल होते हैं, ये आपके हड्डियों और दांतों को मजबूत रखने में मदद करते हैं। स्वस्थ हड्डियों को बनाए रखने के लिए कैल्शियम अच्छा है। अंडा हड्डियों की वृद्धि को तो प्रोत्साहित करता ही है परन्तु साथ ही में हड्डियों को बुढापे के जड़कन में आने से भी बचाता है। फास्फोरस भी मजबूत हड्डियों को बढ़ावा देने के लिए कैल्शियम के साथ काम करता है और उचित अस्थि घनत्व के लिए आवश्यक है।

शहद

आप बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें कच्चे शहद का सेवन करवा सकते हैं। कच्चे शहद में एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। शहद और गुनगुने पानी का मिश्रण खून में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है, जिससे एनीमिया या खून की कमी की स्थिति में लाभ होता है। शहद में मोटापे को कम करने और शरीर को फिट बनाए रखने के भी गुण पाए जाते हैं।

खट्टे फल

खट्टे फलों में विटामिन सी की काफी अच्छी मात्रा पाई जाती है जो इन्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करती है। आप अपने बच्चों को मौसमी, नींबू, संतरा और कीवी जैसे फलों को खिला सकते हैं। खट्टे फलों में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और वजन कम करने में मदद करता है। खट्टे फलों में वसा (फैट), सोडियम या कैलोरी की मात्रा न के बराबर होती है या होती भी है तो बहुत कम। इसलिए वजन के प्रति सजग लोगों को संतरे जैसे फल अपने आहार में शामिल करने से मदद मिल सकती है। खट्टे फल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होते हैं। वजन के प्रति सजग लोग जो अधिक कैलोरी के सेवन से बचना चाहते हैं, उन्हें उन्हें यह जानकार खुशी होती कि खट्टे फलों में बहुत कम कैलोरी होती है।

हंसना मना है

इंजीनियरिंग के स्टूडेन्ट- सर, हमने कॉलेज में एक ऐसी चीज बनाई है, जिसकी सहायता से आप दीवार के आर-पार देख सकते हैं, सर (खुश होते हुए)- वाह! क्या बात है क्या चीज है वह? स्टुडेन्ट- छेद। सर- दे थप्पड़- दे थप्पड़।

टीचर- एक तरफ पैसा, दुसरी तरफ अक्ल, क्या चुनोगे? विद्यार्थी: पैसा। टीचर- गलत, मैं अक्कल चुनती, विद्यार्थी- आप सही कह रही हो मैडम, जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही चुनता है। दे थप्पड़ दे थप्पड़?

टीचर- टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे? टिल्लू, शरमाते हुए- दूल्हा, टीचर - अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो? टिल्लू, शरमाते हुए : दुल्हन, टीचर - उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया? टिल्लू, शरमाते हुए- जी शादी!

अकबर ने बीरबल से तीन नये सवाल पूछे और कहा तीनों का जबाब एक ही होना चाहिये, दूध क्यों उबल जाता है ? पानी क्यों बह जाता है? सब्जी क्यों जल जाती है? बीरबल ने जवाब दिया- व्हाटसअप की वजह से।

कहानी | क्रोधित राजा और ऋषि

ढोलकपुर साम्राज्य में एक ऋषि रहते थे, जो लोगों का भाग्य बताते थे। एक दिन राजा के मन में भी भविष्य जानने की इच्छा हुई। उन्होंने ऋषि को पूरे सादर-सम्मान से महल आने का आमंत्रण दिया। ऋषि सैनिकों के साथ महल चलने के लिए तैयार हो गए। जब ऋषि महल पहुंचे, तो राजा ने बड़े ही उत्साह से उनका स्वागत-सत्कार किया और उन्हें अपने दरबार में सम्मान के साथ बैठाया। राजा ने ऋषि के सामने अपने मन की इच्छा रखी और उनसे अपने भविष्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा से उसकी जन्मकुंडली मंगाई और उसे ध्यान से देखने लगे। ऋषि ने राजा को बताया कि भविष्य में उनका भाग्य आशीर्वाद भरा हुआ है और जीवन में सबकुछ अच्छा ही होगा। राजा खुद से जुड़ी अच्छी भविष्यवाणी सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने खुश होकर ऋषि को सोने और चांदी का उपहार दिया। फिर उसने भविष्य से जुड़े दुर्भाग्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा के दुर्भाग्य से जुड़ी बातें भी बता दीं। उन्हें सुनकर राजा बहुत क्रोधित हो गया। वह गुस्से में ऋषि पर चिल्लाने लगा और कहा कि अब मुझे मेरी मृत्यु का समय बताओ। ऋषि समझ चुका था कि राजा अपना दुर्भाग्य सुनकर उसपर क्रोधित हो गया है। राजा की मृत्यु वाली बात सुनते ही वह शांति से कुछ गणना करने लगा। इसके बाद शांत स्वर में कहा कि मेरी गणना और कौशल के अनुसार, आपकी मृत्यु मेरी मृत्यु के ठीक एक घंटे बाद होगी।' राजा ऋषि की यह बात सुनकर हैरान हो गया। अब उसे अपनी गलती का एहसास होने लगा। उसने तुरंत अपनी तलवार नीचे रखी और ऋषि के साथ किए गए अपने दुर्व्यवहार के लिए उनसे माफी मांगी। बाद में राजा ने ऋषि को ढेर सारा धन दिया और उन्हें वापस कुटिया में आदर व सम्मान के साथ भेज दिया।

कहानी से सीख- मुश्किल परिस्थितियों में हमें समझदारी से काम लेना चाहिए और मन को शांत रखना चाहिए। यह हुनर हमें हर परेशानी से बाहर निकाल सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

कन्या

बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला

सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। आय बनी रहेगी।

मकर

अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन

घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बॉलीवुड | अपकमिंग

छप्परफाड़ ओपनिंग के लिए तैयार है चंदू चैंपियन

कार्तिक आर्यन स्टारर चंदू चैंपियन रिलीज से ज्यादा दूर नहीं है। इस मूवी को लेकर फैंस में क्रेज देखने को मिल रहा है। चंदू चैंपियन ने रिलीज से पहले ही इतिहास रच दिया। बुर्ज खलीफा पर एडवांस बुकिंग की अनाउंसमेंट करने वाली चंदू चैंपियन पहली फिल्म बन गई है। इसी के साथ मूवी के पहले दिन का आंकड़ा सामने आ गया है, जो इसके सॉलिड ओपनिंग की ओर इशारा करता है। चंदू चैंपियन कार्तिक आर्यन की डायरेक्टर कबीर खान के साथ पहली फिल्म है। यह स्पोर्ट्स ड्रामा आधारित बायोपिक है, जिसमें कार्तिक, मुरलीकांत पेटकर के रोल में नजर आएंगे। प्यार का पंचनामा एक्टर को इस रोल में देखने के लिए उनके फैंस में खासी बेताबी है। इसका असर सामने आए एडवांस बुकिंग के पहले दिन के कलेक्शन में देखने को मिला है। ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, चंदू चैंपियन की ओपनिंग डे के लिए 4218 टिकटें बिक गई हैं। फिल्म 2डी फॉर्मैट में रिलीज की जाएगी। पूरे देश में चंदू चैंपियन के 2101 शो चलाए जाएंगे। चंदू चैंपियन ने अब तक 12.82 लाख की कमाई कर ली है। यह फिल्म के लिए ओपनिंग डे पर अच्छी शुरुआत साबित होने का संकेत दे रही है। कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन इस महीने की 14 तारीख को सिनेमाघरों में एंट्री लेगी। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान के प्रोडक्शन में बनकर तैयार हुई चंदू चैंपियन यूए सर्टिफिकेट से सेंसर बोर्ड से पास हुई है।

दुल्हन बनने जा रही हैं सोनाक्षी सिन्हा !

बीते काफी वक्त से बॉलीवुड में शादी का सीजन चल रहा है। ऐसे में अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी जल्द ही दुल्हन बनने जा रही हैं। अभिनेत्री लंबे समय से जहीर इकबाल को डेट कर रही हैं। फैंस को दोनों की शादी का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में अब दोनों की शादी से जुड़ी खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनाक्षी सिन्हा इसी साल जून में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी के सात फेरे लेंगी। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों अब अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर लेकर जाने के लिए तैयार हैं। ऐसे में दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री मुंबई में 23 जून को जहीर के साथ धूमधाम के साथ शादी रचाएंगी। इस रिपोर्ट के मुताबिक 37 साल की सोनाक्षी सिन्हा 35 साल के जहीर इकबाल की 3 दिन बाद दुल्हन बनने जा रही हैं। दोनों की शादी की खबर से अभिनेत्री के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा है। हालांकि, इन दोनों की तरफ से फिलहाल शादी की खबरों की पुष्टि नहीं की गई है। न ही दोनों के परिवारों ने शादी से जुड़ी इसी खबर की जानकारी दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों परिवार की रजामंदी के साथ सोनाक्षी और जहीर 23 जून को सात जन्म के लिए एक-दूजे के हो जाएंगे।

इस दिन जहीर इकबाल संग लेंगी शादी के सात फेरे!

कंगना ने बिखेरा शपथ ग्रहण समारोह में जलवा

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रणौत के लिए आज का दिन बेहद खास है। आज उनका एक सपना सच हुआ जिसके लिए उन्होंने काफी मेहनत भी की थी। आज जब वे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बनने पहुंची तब उनके चेहरे पर एक अलग नूर देखने को मिल रहा था। कंगना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी कुछ तस्वीरों को अपने फैंस के संग साझा भी किया है। साथ ही साथ उन्होंने अपने लुक के बारे में भी अपने चाहने वालों को डिटेल से बताया है। कंगना रणौत बॉलीवुड के बाद अब राजनीति में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। उन्होंने मंडी लोकसभा सीट से शानदार जीत हासिल की है। खुद कंगना के लिए भी ये जीत जिंदगी की सबसे बड़ी कामयाबियों में से एक है। आज जब वे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंची तब पूरे देश की निगाह हिमाचल की इस बेटी पर टिकी हुई थी। कंगना रणौत बॉलीवुड में अभिनय के अलावा अपने बेबाक बयान के लिए भी मशहूर हैं। वे जो भी करती हैं डंके की चोट पर करती हैं। अपने बयानों की तरह अभिनेत्री का फैशन का अंदाज भी काफी बोल्ड है। आज अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी से शपथ ग्रहण समारोह में जाने से पहले के दृश्यों को अपने फैन के संग साझा किया। साथ ही साथ उन्होंने पूछा कि मेरा यह लुक कैसा लग रहा है। कंगना रणौत आज एक सिल्क की साड़ी में नजर आईं। अभिनेत्री ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का सा मेकअप किया था और उन्होंने गले में एक राजसी अंदाज वाला हार पहना था। सादगी में भी अभिनेत्री बला की खूबसूरत लग रही थीं। सोशल मीडिया पर कंगना के इस लुक की काफी तारीफ हो रही है। उन्होंने अपनी एक तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, आज फिर से मैं अपने फिल्म स्टार वाले लुक में वापस आ गई हूं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | दुनिया का सबसे बड़ा फूल, खिलने में लग जाता है सालों का वक्त

सहन नहीं होती है इसकी गंध

पूर्वी एशिया में एक पौधा, खास कर उसका फूल बहुत मशहूर है। इसे कॉर्प्स फ्लॉवर यानी शव फूल कहा जाता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा फूल माना जाता है। लेकिन इसे शव फूल कहने के पीछे इससे आनी वाली बदबू है जो लोगों को सहन नहीं होती है। फूल की खासियत यह है कि यह हर कुछ सालों में केवल कुछ दिनों के लिए खिलता है। बहुत से लोग खुद को किस्मतवाले मानते हैं कि जब वे उसे खिलता हुआ देख पाते हैं। इस फूल के बारे में कई खास बातें और भी हैं जिनके बारे में लोग नहीं जानते हैं। इस फूल का वैज्ञानिक नाम एमोर्फोफैलस टिटानम है। यह मूल रूप से पश्चिमी इंडोनेशिया का फूल माना जाता है। लेकिन यह पूर्वी एशिया के वर्षावनों का फूल है और इंडोनेशिया के अलावा सुमात्रा और मलेशिया में भी पाया जाता है। पश्चिमी वैज्ञानिकों की जानकारी में यह फूल सबसे पहले 19वीं सदी में आया था। शव फूल दुनिया का सबसे बड़ा फूल होने के साथ ही दुनिया के सबसे दुर्लभ फूलों से एक कहा जाता है। यह डेढ़ मीटर चौड़ा और तीन मीटर से अधिक लंबा फूल होता है। लेकिन कम इस फूल के खिलने का कोई सीजन नहीं होता है। यह 6 से 7 सालों में एक बार खिलता है। इतना ही नहीं यह केवल एक से तीन दिन तक ही खिल पाता है। इसलिए जब भी किसी पौधे पर यह फूल खिलता है तो दुनिया भर में चर्चा होने लगती है। आपको जानकर हैरानी होगी की आकार से भले ही यह एक विशाल फूल लगता है, लेकिन यह बताना मुश्किल है कि कौन सा हिस्सा फूल का है और कौन सा पौधे का। तकनीकी रूप से, एक शव फूल एक फूल वाला पौधा है जिसमें फूलों के गुच्छे होते हैं। पौधे में एक मोटी केंद्रीय स्पाइक होती है, जिसे स्पैडिक्स के रूप में जाना जाता है, जिसका आधार नर और मादा फूलों के दो छल्लों से घिरा होता है। स्पैथ नामक एक बड़ी, फिली पत्ती इन फूलों को उनकी रक्षा के लिए ढंकती है। जब यह फूल खिलता है तो पास का तापमान में इजाफा कर देता है। इसके आसपास का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है। इससे पास की हवा गर्म होती है और चिमनी जैसा असर देखने को मिलता है। इससे हवा में बदबू फैलती है जिससे परागण करने वाले कीड़े सड़े हुए मांस की ओर आकर्षित होते हैं। बदबू का कारण एक नहीं कई तरह के अणुओं का मिश्रण है। एक बार जब लाश का फूल खिल जाता है, तो वह मरता नहीं है। कुछ दिनों के बाद स्पैथ मुरझा जाता है और गिर जाता है, और अगर परागण होता है, तो पौधा जल्द ही सैकड़ों छोटे, सुनहरे रंग के फल पैदा करता है। बेर जैसे बीज पक कर सुनहरे या नारंगी रंग के हो जाते हैं जो 5 -6 महीने बाद गहरे लाल रंग के हो जाते हैं। इसके बाद फूल मुरझा जाता है। कॉर्प्स फ्लॉवर की एक और खास बात यह है कि यह बताना मुश्किल होता है कि इसमें फूल खिलेंगे कि नहीं। और खिलेंगे तो कब खिलेंगे। कई बार फूल 6-7 सालों में खिल जाते हैं तो कभी फूल खिलने में दशक भी लग जाते हैं। दुर्लभ होने के साथ इनके आवास को भी खासा खतरा बताया जाता है। बीज बनने में समय लगने की वजह से इन्हें फिर से उनके इलाके में उगाना आसान नहीं होता है।

यहां टीवी चलाकर सोते हैं लोग हमेशा बना रहता है युद्ध का खतरा!

दुनिया में सैकड़ों देश हैं और उनका अपना कल्चर है। कहीं बेहतरीन वाइल्डलाइफ है तो कहीं शांति। हालांकि कुछ जगहें ऐसी भी हैं, जहां लोगों की जिंदगी सामान्य लोगों से थोड़ी अलग चलती है। एक ऐसा ही द्वीप है जहां पर लोग शांति से सोते भी नहीं है। इनके घरों में बिजली और टेलिविज़न हमेशा ही चलता रहता है, भले आधी रात हो। आप सोते वक्त पिन ड्रॉप लाइसेंस और हल्की रोशनी चाहते होंगे लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां पर लोग बिना टीवी चलाए सोते ही नहीं हैं। ये जगह भी एशिया में ही है, लेकिन शायद ही आप इसके बारे में जानते होंगे। इस जगह का नाम येऑन्गपेयॉन्ग है, जो एक छोटा सा द्वीप है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया में मौजूद छोटे द्वीप येऑन्गपेयॉन्ग के लोगों की ज़िंदगी में बिल्कुल सुख-शांति नहीं है। उन्हें लगातार अलर्ट रहना पड़ता है। ये द्वीप दक्षिण कोरिया के दुश्मन देश उत्तर कोरिया से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है। चूंकि इसी साल जनवरी में उत्तर कोरिया की ओर से यहां पर फायरिंग की गई थी, ऐसे में लोग लगातार चैतन्य रहते हैं। उन्होंने आर्टिलरी अटैक से बचने के लिए बॉम्ब शेल्टर्स में पनाह ली थी। जुंग युन जिन नाम की महिला नागरिक ने बताया कि बिना टीवी और लाइट जलाए हम सोते नहीं है। चूंकि मेरा परिवार यहां नहीं है, ऐसे में डर लगता है कि कब क्या हो जाए? साल 2010 में हमले की वजह से दो लोगों की मौत भी हो गई थी, ऐसे में यहां कई बॉम्ब शेल्टर्स बनाए गए हैं। यहां पर बने बंकर्स में हफ्ते भर के लिए खाना, मेडिकल सुविधाएं और गैस मास्क के साथ बेडिंग शॉवर्स और बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। यहां रहने वालों को डर लगता है कि जिस दिन नॉर्थ कोरिया चाहेगा, उसके एक हमले में आइलैंड तबाह हो जाएगा।

घटक दलों को मिले मंत्रालयों पर गरमाई सियासत

» विपक्ष बोला- साथियों को बीजेपी ने पकड़ाया झुनझुना मंत्रालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक की, इसके बाद मंत्रिपरिषद सहयोगियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया गया। विभागों के बंटवारे के बाद आम आदमी पार्टी (आप), राजद ने हमला बोला है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने नई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में मंत्रिमंडल के गठन को लेकर मोदी सरकार पर हमला किया है। संजय सिंह ने कहा कि एनडीए के घटक दलों के हिस्से में सिर्फ मंत्रालय आया।

रविवार को मोदी के साथ 71 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, पांच स्वतंत्र प्रभार मंत्री और 36 राज्य मंत्री हैं। सोमवार की शाम इन सभी के मंत्रालयों की जानकारी सार्वजनिक की गई। पहली बार सांसद बने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय दिया गया है। कैबिनेट मंत्रियों में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुंगेर के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को पंचायती राज मंत्रालय के साथ मत्स्यपालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय दिया गया है। भाजपा के बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय दिया गया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय दिया गया है। जदयू कोटे से राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय का राज्यमंत्री बनाया गया है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ रहे उजियारपुर के भाजपा सांसद नित्यानंद राय की जिम्मेदारी नहीं बदली गई है। उन्हें फिर से गृह राज्यमंत्री बनाया गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को कोयला और खनन मंत्रालयों का राज्यमंत्री बनाया गया है।

बिहार के साथ किया गया फिर भेदभाव : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार को झुनझुना थमा दिया गया है। हम बिहारवासी जानते हैं कि बिहार की तरक्की के बिना देश तरक्की नहीं कर सकता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार इस बार निर्णायक भूमिका में है। मोदी जी के 10 वर्ष पूर्व के वादानुसार एवं झारखंड बंटवारे के बाद सन 2002 से हमारे दल की पुरानी मांग तथा अधिकार रैलियों के माध्यम एवं अभी दो महीने पूर्व तक सीएम नीतीश जी की केंद्र सरकार से निरंतर डिमांड के मद्देनज़र बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज का हम बिहार वसियों को इंतज़ार रहेगा। वैसे मंत्रिमंडल बंटवारे में तो बिहार को झुनझुना ही थमा दिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस बार जांच जाँच एजेंसियों को निष्पक्ष रहना होगा। संसद में विपक्ष मजबूत हो गया है। अब ईंट से ईंट बजेगा। तेजस्वी यादव ने दावा करते हुए कहा कि हमलोग इसबार विधानसभा में चार गुना ज्यादा सीट जीतेंगे।

स्पीकर का पद अपने पास रखे जदयू और टीडीपी : आदित्य ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि मैं उन पर(एकनाथ शिंदे) ज्यादा बात नहीं करता। सबसे ज्यादा अहम बात ये है कि अगर जेडीयू और टीडीपी को खुद को और अपनी पार्टी को बचाना हो तो वे लोकसभा स्पीकर का पद अपने पास रखें, नहीं तो भाजपा आपकी पार्टी को तोड़ेगी। बिहार हो या आंध्र प्रदेश जो स्पेशल पैकेज का वादा किया गया होगा वह पहले ही ले लें, नहीं तो एक बार सरकार बनती है तो भाजपा कुछ नहीं देती। ये सारी जो बातें मैं कह रहा हूं वो अनुभव के आधार पर है। केंद्र में एनडीए सरकार के गठन में किंग मेकर के रूप में उभरी तेलुगु देशम पार्टी के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल है और 12 जून को टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।

बीजेपी ने बहुत बेइज्जती की : संजय सिंह

सांसद संजय सिंह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि, न गृह, न रक्षा, न वित्त, न विदेश, न वाणिज्य। न सड़क, न रेल, न शिक्षा, न स्वास्थ्य। न कृषि, न जलशक्ति और न पेट्रोलियम न दूरसंचार। एनडीए के घटक दलों के हिस्से में सिर्फ झुनझुना मंत्रालय आया है। बहुते बेइज्जती है!

भाजपा ने बागियों को उनकी जगह दिखा दी : राउत

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत नयी केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की हिस्सेदारी को लेकर उनपर निशाना साधा। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि मोदी मंत्रिमंडल में दोनों दलों के बहुत कम प्रतिनिधित्व ने साबित कर दिया कि भाजपा ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है।

चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश की समस्याएं देखें : भागवत

» संघ प्रमुख ने कहा- मणिपुर में एक वर्ष बाद भी शांति न होना चिंता का विषय

» बोले- विभिन्न स्थानों और समाज में संघर्ष अच्छा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में एक वर्ष बाद भी शांति स्थापित नहीं होने पर को चिंता व्यक्त की और कहा कि संघर्ष प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार किया जाना चाहिए।

एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि विभिन्न स्थानों और समाज में संघर्ष अच्छा नहीं है। उन्होंने चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है। 10 साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है।

गीताश्री को मिलेगा रमाकान्त स्मृति पुरस्कार

» 2019 से 2023 तक के पुरस्कार किये गये घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्ष -2023 के लिए वरिष्ठ पत्रकार,लेखिका गीताश्री को साहित्य का प्रतिष्ठित पुरस्कार रमाकान्त स्मृति सम्मान दिए जाने की घोषणा हुई। सन 2019 से 2023 तक के लिए प्रतिष्ठित रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार आज घोषित किये गए। पहले वर्ष के लिए निर्देश निधि की कथादेश में प्रकाशित मैं ही आयी हूं बाबा का चयन चर्चित कथाकार महेश कटारे ने किया।

दूसरे वर्ष हेतु हंस में प्रकाशित अंजू शर्मा की कहानी द हैप्पी बड्डे ऑफ सुमन चौधरी को चुना वरिष्ठ व्यंग्यकार-उपन्यासकार प्रदीप पंत ने। तीसरे वर्ष के लिए कथादेश में प्रकाशित आशा पांडेय की कहानी डेढ़ सेर चांदी का चयन प्रसिद्ध रंगकर्मी देवेंद्रराज अंकुर ने किया। चौथे वर्ष हेतु अखिलेश श्रीवास्तव चमन की वर्तमान साहित्य में प्रकाशित रचना इच्छा का कवि-अनुवादक केवल गोस्वामी ने और पांचवें वर्ष हेतु गीताश्री की नई धारा में प्रकाशित कहानी शमशान वैराग्य का चयन किया फिल्मकार अनवर जमाल ने।

पुरस्कार समारोह सितंबर माह में दिल्ली में होगा आयोजित

समिति के संयोजक महेश दर्पण के अनुसार पुरस्कार समरोह सितंबर माह में दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व यह पुरस्कार 20 रचनाकारों को उनकी उत्कृष्ट कहानियों के लिये प्रदान किया जा चुका है। ये कथाकार हैं- नीलिमा सिंह, कृपाशंकर, अजय प्रकाश, मुकेश वर्मा, नीलाक्षी सिंह, सूरजपाल चौहान, पूरन हार्डी, अरविंद कुमार सिंह, नवीन नैथानी, योगेंद्र आहूजा, उमाशंकर चौधरी, मुशरी शर्मा, दीपक श्रीवास्तव, आकांक्षा पारे काशिव, ओमा शर्मा, किरन सिंह, इंदिरा दांगी, विवेक मिश्र, दिव्या शुक्ला और राकेश तिवारी। इन पांच पुरस्कारों को मिलाकर अब तक 25 वर्ष के पुरस्कार सम्पन्न हो जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत का तोड़ा रिकॉर्ड

» सबसे कम स्कोर की रक्षा करने वाली बनी टीम

» टी20 विश्व कप में बांग्लादेश को 4 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप 2024 के 20वें मैच में बांग्लादेश को 4 रन से मात देकर इतिहास रच दिया। न्यूयॉर्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन बना सकी। एडेन मार्करम के नेतृत्व वाली दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने वाली टीम बन गई है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 114 रन बनाने से रोका। प्रोटियाज टीम ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने एक दिन पहले न्यूयॉर्क में ही पाकिस्तान के खिलाफ 120 रन की रक्षा की थी। भारतीय टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह रन से मात दी थी। वैसे, टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने में श्रीलंकाई टीम भी शामिल है। 2014 में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका ने भी 120 रन के स्कोर को डिफेंड किया था। मगर अब सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम हो गया है।

रोहित ने विराट को छोड़ा पीछे

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है, जिसके बाद उन्होंने विराट कोहली को पछाड़ दिया है। दरअसल, रोहित शर्मा और विराट कोहली पाकिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। दोनों खिलाड़ी तीन ओवर के अंदर ही पवेलियन लौट गए। वहीं रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में 12 गेंद में 13 रन बनाए। इस पारी के दौरान उन्होंने बतौर कप्तान आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ा है। बतौर भारतीय कप्तान आईसीसी टूर्नामेंट्स में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड एमएस धोनी के नाम है। एमएस धोनी ने 46 पारियों में 1037 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा पहुंच गए हैं। रोहित ने 19 पारियों में 778 रन बनाए हैं। जबकि विराट कोहली ने 17 पारियों में 778 रन बनाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली का भी बल्ला नहीं चला। कोहली महज 4 रन बनाकर नसीम शाह के शिकार बने।

अभी और कड़े होंगे सूरज के तेवर, बढ़ेगी तपिश, भीषण लू की चपेट में रहे यूपी के शहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में आसमान साफ होते ही धूप की तेवर और कड़े हो गए हैं। पारे ने भी तेज से चढ़ना शुरू कर दिया है। सोमवार को कई हिस्सों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पार हो गया। 14 शहर लू की चपेट में रहे। 46.3 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रयागराज सर्वाधिक गर्म रहा।

वहीं, वाराणसी में तापमान 45.3, कानपुर 45.2 और बुलंदशहर 45 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लखनऊ में भी पारा 44 डिग्री सेल्सियस के करीब

पहुंच गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, पूरे प्रदेश में पारे में वृद्धि हो रही है। अधिकतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। वहीं रात के न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि की जारी रही।

प्रदेश में न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री से शुरू होकर झांसी में सर्वाधिक 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सोमवार की दोपहर में अचानक से प्रदेश के कुछ इलाकों में मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी, बादलों ने डेरा डाला पर गर्मी बरकरार रही। अरब सागर से नमीयुक्त हवा का असर है।

सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदासनगर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास लू का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सरकार की लापरवाही से भड़की हिंसा : भूपेश बघेल

बलौदाबाजार आगजनी पर कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। बलौदाबाजार में आगजनी की घटना पर छत्तीसगढ़ की सियासत गरमा गई है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज का बयान सामने आया है। बघेल ने कहा कि बलौदाबाजार में हुई हिंसा की घटना चिंताजनक है। अगर शासन-प्रशासन ने समय पर आवश्यक कदम उठाए होते तो लोगों की नाराजगी को इस हद तक जाने से रोका जा सकता था।

सतनामी समाज बाबा घासीदास के बताए शांति और सद्भाव के रास्ते पर चलने वाला समाज है। मैं समाज के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बलौदाबाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं लोगों से शांति बनाये रखने का आग्रह करता हूं। सरकार की लापरवाही से यह अप्रिय स्थित निर्मित हुई है। पंद्रह दिनों पहले असामाजिक तत्वों द्वारा पवित्र जैतखाम को नुकसान पहुंचाने के मामले में त्वरित कठोर कार्यवाही की गयी होती, तो शायद यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। मैं लोगों से अपील करता हूं संयम और शांति बनाये रखें कानून को हाथ में न लें। सभ्य समाज में हिंसा कदापि भी बर्दास्त नहीं। बाबा साहब के बनाये कानून पर भरोसा रखें।

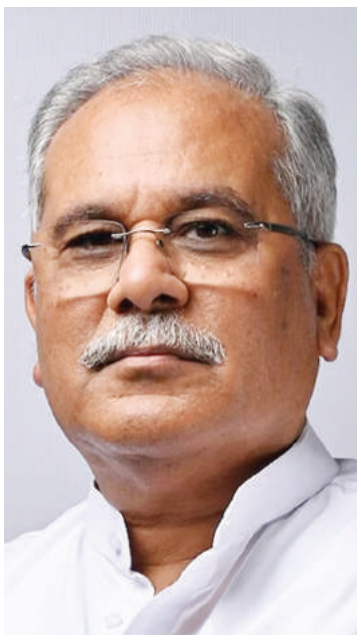

डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़, मणिपुर की तरह जल रहा : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज ने कहा कि गिरौदपुरी धाम से 5 किलोमीटर दूर एक बस्ती मानाकोनी है। यहां पर पुरानी गुफा है, जो बाघिन गुफा के नाम से प्रचलित है। जहां जैतखाम और सतनामी समाज के पूजा स्थल में तोड़-फोड़ की गई थी। इससे पूरे सतनामी समाज में आक्रोश है। इसके बाद समाज के लोगों ने पहले भी प्रर्दशन और चक्काजाम करके विरोध प्रदर्शन किया था। पूरे घटनाक्रम में घोर प्रशासनिक लापरवाही स्पष्ट है। साय सरकार आने के बाद से छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था बेहद खराब हो चुकी है। डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़, मणिपुर की तरह जल रहा है।

हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं, लोग संयम बरतें

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि साय सरकार की अकर्मण्यता के चलते ही बलौदाबाजार में कानून व्यवस्था बिगड़ी है। यदि समय रहते जैतखाम को क्षति पहुंचाने वालों पर कार्यवाही की गई होती और आहत समाज से संवाद किया गया होता तो ऐसी अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं होती। धार्मिक भावनाएं आहत होने पर आंदोलित समाज को विश्वास में लिया गया होता तो ऐसे विध्वंसक प्रतिक्रिया नहीं होती।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नई तबादला नीति को दी मंजूरी

» यूपी कैबिनेट की बैठक : कुंभ की तैयारियों के लिए आवंटित किए 2500 करोड़ रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के गठन के बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राज्य में तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। सीएम की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में तबादला नीति 2024-25 को मंजूरी दे दी गई है। बैठक में कुल 41 प्रस्ताव रखे गए हैं। बैठक में बुंदेलखंड क्षेत्र की 50 में से 26 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। जिनकी कुल लागत 10858 करोड़ रुपये है। इसमें 1394 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है।

बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि दो महीने में सभी परियोजनाओं को पूरा कर दिया जाएगा। इन प्रस्तावों को भी दी गई है मंजूरी मिली। निजी विश्वविद्यालय को प्रमोट करना और हर मंडल में एक सरकारी विश्वविद्यालय को मंजूरी। विवि के नाम से राज्य हटा कर नाम छोटा कर दिया गया है। मुरादाबाद विवि का नाम गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय किया गया है। बरेली में हरित गाजियाबाद और फ्यूचर विश्वविद्यालय खोले जाएंगे। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में तैयारियों के मद्देनजर 2019 की तुलना में 2025 में 3200 हेक्टेयर की तुलना में 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार किया गया है। नोएडा में 500 बेड के अस्पताल को मंजूरी मिली। इसका निर्माण 15 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। शेष मदद केंद्र से आएगी। नई तबादला नीति के तहत प्रदेश में समूह क ख ग घ के सभी कार्मिकों के ट्रांसफर 30 जून तक होंगे। जिलों में तीन साल और मंडल में सात साल से अधिक तैनाती वाले कार्मिक हटाए जाएंगे। पिक एंड चूज की व्यवस्था खत्म होगी। जो ज्यादा पुराना होगा, वह पहले हटेगा। समूह क और ख में अधिकतम 20 प्रतिशत और समूह ग और घ में अधिकतम 10 प्रतिशत कार्मिकों के तबादले होंगे।

लोक निर्माण विभाग पद से मंत्री जितिन प्रसाद का इस्तीफा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कैबिनेट में केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौधोगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने यूपी के लोक निर्माण विभाग मंत्री तथा विधान परिषद सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। जितिन प्रसाद ने इस्तीफा देने की पुष्टि कर दी है। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पीलीभीत लोकसभा सीट से सांसद रहे वरुण गांधी का टिकट काटकर यूपी के लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद को प्रत्याशी बनाया था। इस बार के चुनाव में जितिन प्रसाद एक लाख 64 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल कर सांसद निर्वाचित हुए हैं।

विधायक दल के नेता चुने गए चंद्रबाबू नायडू

12 जून को लेंगे सीएम पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एन चंद्रबाबू नायडू को मंगलवार को उनकी तेलुगु देशम पार्टी के विधायकों के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जन सेना के विधायकों द्वारा आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया।

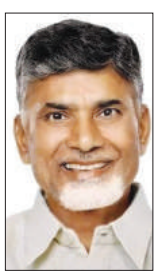

नायडू ने कहा, बीजेपी, जनसेना और टीडीपी के सभी विधायकों ने मुझे आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार का आगामी मुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी सहमति दे दी है। इससे पहले सुबह, नायडू को सर्वसम्मति से टीडीपी विधायक दल का नेता चुना गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में नायडू के साथ जनसेना और भाजपा के कुछ नेता 12 जून को मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। नायडू 12 जून को पूर्वाह्न 11.27 बजे गन्नवरम हवाईअड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में शपथ ग्रहण कर सकते हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में पीएम के शामिल होने की संभावना

टीडीपी के आधिकारिक समाचार बुलेटिन में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कुछ कैबिनेट सहयोगियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की संभावना है। टीडीपी के एक प्रवक्ता ने पहले कहा था कि नायडू के साथ शपथ लेने वाले कुछ नेताओं को मंगलवार रात को चुना जा सकता है। आंध्र प्रदेश में राजग ने हाल में संपन्न लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की है।

ओडिशा में विधायक दल की बैठक आज

ओडिशा का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसकी अटकलों के बीच, राज्य भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा कि पार्टी का संसदीय बोर्ड एक या दो दिन में इस पर निर्णय लेगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेरहामपुर में एक चुनावी रैली के दौरान कहा था कि भाजपा का नया मुख्यमंत्री 10 जून को शपथ लेगा। शीर्ष पद के लिए धर्मेंद्र प्रधान, बैजयंत पांडा और सुरेश पुजारी जैसे कई वरिष्ठ नेताओं के नाम चर्चा में हैं। भाजपा ने 2000 और 2004 में बीजद के गठबंधन सहयोगी के रूप में राज्य में शासन किया था और यह पहली बार है कि पार्टी ओडिशा में अपने दम पर सरकार बनाएगी। पार्टी नेतृत्व इस महत्वपूर्ण भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव को पर्यवेक्षक के रूप में ओडिशा की राजधानी भेज रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के शीर्ष नेता और पार्टी के मुख्यमंत्री बुधवार को भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित होने वाले पार्टी के पहले सीएम और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। राज्य में बीजेपी को पहला पूर्ण बहुमत देने के लिए लोगों को धन्यवाद देने के लिए शपथ ग्रहण स्थल पर पहुंचने से पहले पीएम मोदी का 1.5 किलोमीटर लंबा रोड शो करने का कार्यक्रम है। भाजपा ने नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजेडी के पांच कार्यकाल के शासनकाल को समाप्त कर दिया, जो केवल 51 सीटें जीतने में सफल रही। एक साथ हुए चुनावों में, भाजपा ने राज्य की 21 में से 20 लोकसभा सीटें भी हासिल कीं। इस बीच, बीजेपी खेमे में सीएम के चयन के साथ-साथ नई सरकार के गठन को लेकर भी माथापच्ची जारी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।